







बुधवार

7 फरवरी 2024, माघ कृष्ण पक्ष, द्वादशी, विक्रम समवत् 2080, धनबाद

नगर संकारण, वर्ष 14, अंक 32, 16 पेज, गूल्हा ₹ 5.00

# हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

• पांच प्रदेश • 21 संकारण

सचिन पायलट बोले,  
थोड़ी और मेहनत  
करते तो राजस्थान  
में चुनाव जीत जाते



**न्याययात्रा:** खूंटी, गुमला और सिमडेंगा में यात्रा के बाद ओडिशा में प्रवेश कर गए राहुल गांधी

## हम आए तो बढ़ाएंगे आरक्षण

बोले राहुल

गुमला/खूंटी/सिमडेंगा, हिन्दी। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि देश में आठ फीसदी आदिवासी, 15 फीसदी दलित व 50 फीसदी आवंशी आबादी है। अगर इनकी कुल जनसंख्या 73 प्रतिशत है, तो आरक्षण पर केवल 50 प्रतिशत की सीमा बढ़ी है? केवल इंडिया गढ़बंधन की सकारात्मकी तो आरक्षण की सीमा बढ़ाई जाएगी। साथ सामान्य वर्ग के गरीबों का भी ध्यान रखा जाएगा।

राहुल गांधी ने कहा कि देश में हिंसाक से छिड़े, दलितों और आदिवासियों को भागीदारी दी जाएगी। आबादी के हिंसाक से छिड़े, दलितों और आदिवासियों को पार्टी सोरेन की बाबती का सार्वजनिक नहीं करेंगे, लेकिन हेमंत सोरेन के साथ भाजपा अन्याय कर रही है। न्याय यात्रा के दौरान कई किसान, आदिवासी, गरीब, जीवीन पर झापुट मिले हैं। इसमें से वे जारीह के मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से सरना कोड व जीवीन की बीच ध्यान रखा जाएगा।

राहुल गांधी ने कहा कि देश में सबसी मामलों पर चर्चा करेंगे।

गुमला/खूंटी/सिमडेंगा के बाबती को आबादी की बाबती की। इसके बाद कामडारा में रोड शो किया और ओडिशा जाने के पूर्व सिमडेंगा के बांसजोर में सभा को संबोधित किया। राहुल गांधी ने कहा कि पीएम नेंद्र मोदी



की प्रतीक्षा पर माल्यार्पण किया और उके परिजनों से मुलाकात की। इसके बाद कामडारा में रोड शो किया और ओडिशा जाने के पूर्व सिमडेंगा के बांसजोर में सभा को संबोधित किया। राहुल गांधी ने कहा कि पीएम नेंद्र मोदी

जाति जनगणना से घबराएं नहीं। पीएम खुद को ओबीसी कहते हैं। बीच में वो कंप्यूज़न की गए और फिर कहने लगे कि देश में सिर्फ़ दो ही जातियाँ हैं—अमीर और गरीब। इसलिए उन्हें पहले फैसला करना चाहिए कि वे क्या हैं? देश में

पिछड़ों, दलितों व आदिवासियों के साथ अन्याय हो रहा है। हम चाहते हैं कि आबादी के हिंसाक से ओबीसी, दलित व आदिवासियों को भागीदारी मिले। उन्होंने कहा कि नई कमी दिखाई है इसलिए उसे ठीक करना है।

► देखें P12

ममता बनर्जी इंडिया  
गठबंधन का हिस्सा

राहुल गांधी ने कहा कि ममता बनर्जी पूर्व तक से इंडिया गठबंधन का हिस्सा है। अधिकार दल जो गठबंधन का हिस्सा है, वे अभी भी गठबंधन के सदस्य हैं। सिर्फ़ नीतीश कुमार ने गठबंधन छोड़ दिया है और वह भाजपा में चले गए हैं। उनके जाने की वजह है।

केंद्र में गठबंधन सरकार बनी तो जीएसटी हटाएंगे

रुद्ध ने कहा कि केंद्र में हमारी सरकार बनी, तो जीएसटी को सबसे पहले हटाएंगे। न्याय फाइंडरियल प्लान जमकर गुरुत्व-गुरुत्व हुई। 25-30 की संख्या में आप चारों ने सुरक्षा टीम पर जमकर पथराव शुरू कर दिया, जिससे टीम की गाड़ी का शीशा टूट गया। जबवें में सुरक्षा जवानों ने तीन रातंड हवाई फायरिंग की।

► देखें P04

फेसला: अजितगुट  
असली एनसीपी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने मंगलवार को घोषणा की कि अजित पवार गुरु ही असली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) है। वह फेसला पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार के लिए झटका है।

आयोग ने मंगलवार के उम्मीदवारों में गठित एक सदस्यीय न्यायिक आयोग की प्रतीक्षा पर ग्राउंड वार्ड पवार के पतल पर मंगलवार को रखी गई। गुरुवर राजीव कुमार, निर्वाचन आयुक्त अनुप चंद्र पाठेय और अरुण गोवल की पीठ ने यह निर्णय दिया।

► देखें P13

राजपुरा में डीजल चोरों  
ने किया गार्ड पर पथराव

कुमारधुबी। इंसीएल मूगमा एरिया की राजपुरा कोलिमरी में सोमवार की देर रात केबल-डीजल चोरों को आए चोरों और इंसीएल सुरक्षा टीम के बीच जमकर गुरुत्व-गुरुत्व हुई। 25-30 की संख्या में आप चारों ने सुरक्षा टीम पर जमकर पथराव शुरू कर दिया, जिससे टीम की गाड़ी का शीशा टूट गया। जबवें में सुरक्षा जवानों ने तीन रातंड हवाई फायरिंग की।

► देखें P04

विधानसभा के 90 कर्मियों  
से वसूली की अनुशंसा

अवैध निकासी



■ आशुलिपिकों के लिए देवार  
दक्षता परीक्षा की अनुशंसा

विस अध्यक्ष रबींद्रनाथ महोतो की अनुशंसा पर राज्य सरकार की ओर से न्यायिक आयोग की गठन सभा में सदस्य आयोग की अवैध निकासी करने पर जारी खंड विधानसभा के कारीब 90 पदाधिकारियों से वसूली की अनुशंसा की गई है। यह कारीब एक वर्ष तक जस्तिस एसजे की अवैधता के बावजूद विधानसभा की अवैधता की अवैध नियुक्तियों में अहता में नियुक्तिरत योग्यता की कमी पाई जाने के कारण पूर्व में नियुक्त कर्मियों की पुराने दक्षता परीक्षा लेने की अनुशंसा भी की गई है।

विधानसभा में दूर्धि नियुक्ति में दूर्धि अनियमितता को लेकर गठित न्यायिक आयोग की रिपोर्ट में इसकी अनुशंसा की गई है। उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायालयिक विक्रमदित्य प्रसाद की रिपोर्ट में पाई गई अनियमितताओं को लागू करने में आरही कठिनाइयों के समाधान के लिए कार्रवाई की अनुशंसा की गई है।

कारीब एक इन्वेस्टिगेशन एसजे के आलोक में आयोग की रिपोर्ट को कूट कर्मियाँ विधानसभा के लिए देवार के आलोक के बावजूद विधानसभा के साथ सदस्य के नियमों के लिए यह लागू होता है तो शायद तालिका बदल देने और उत्तराधिकार से जुड़े मामलों में सभी भारतीयों के लिए एक जैसे नियम होंगे।

पहुंचे विधेयक पेश किए जाने के दौरान सत्तापक्ष के विधेयकों ने दौरान सत्तापक्ष के उसका व्यापक जिम्मेदारी देना चाहता था।

इससे पहले, कार्यवाही शुरू होते ही विधेयक पर चर्चा के लिए पर्याप्त समय दिया जाएगा।

इससे पहले, कार्यवाही शुरू होते ही विधेयक पर चर्चा के लिए पर्याप्त समय दिया जाएगा।

इसके बाद सभा शुरू हुआ और विधेयक पर चर्चा हुई।

आरोप है कि जल बोर्ड की नियन्दा

प्रक्रिया में अनियमितताओं से कारीब

21 करोड़ की रिश्वत को चुनावी पार्टी (आप)

के रूप में आम आदमी पार्टी (आप) को भेजा गया।

► देखें P13

उत्तराखण्ड में यूसीसी का रास्ता साफ

क्या है समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक

समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का मतलब है भारत में रहने वाले सभी नागरिकों के लिए समान कानून। यानी सभी धर्म, जाति, संस्कृदार व वर्ग के लिए एक ही नियम होंगे। यदि यह लागू होता है तो शायद तालिका बदल देने और उत्तराधिकार से जुड़े मामलों में सभी भारतीयों के लिए एक जैसे नियम होंगे।

परं चर्चा के लिए समय नहीं दिया जा रहा है। इस पर विधानसभा अध्यक्ष विधु खड़ा हुआ ने आशुलिपिकों के विवरण दिया कि विधेयक पर चर्चा के लिए एक सप्ताह दिवाली के दौरान भी नहीं दिया जाएगा।

इससे पहले, कार्यवाही शुरू होते ही विधेयकों के सदस्यों ने आरोप लगाया कि इस विधेयक को सरकार जल बोर्ड की विधेयक पर चर्चा के लिए एक सप्ताह दिवाली के दौरान भी नहीं दिया जाएगा।

इसके बाद सभा शुरू हुआ और विधेयक पर चर्चा हुई।

आरोप है कि जल बोर्ड की नियन्दा

प्रक्रिया में अनियमितताओं से कारीब

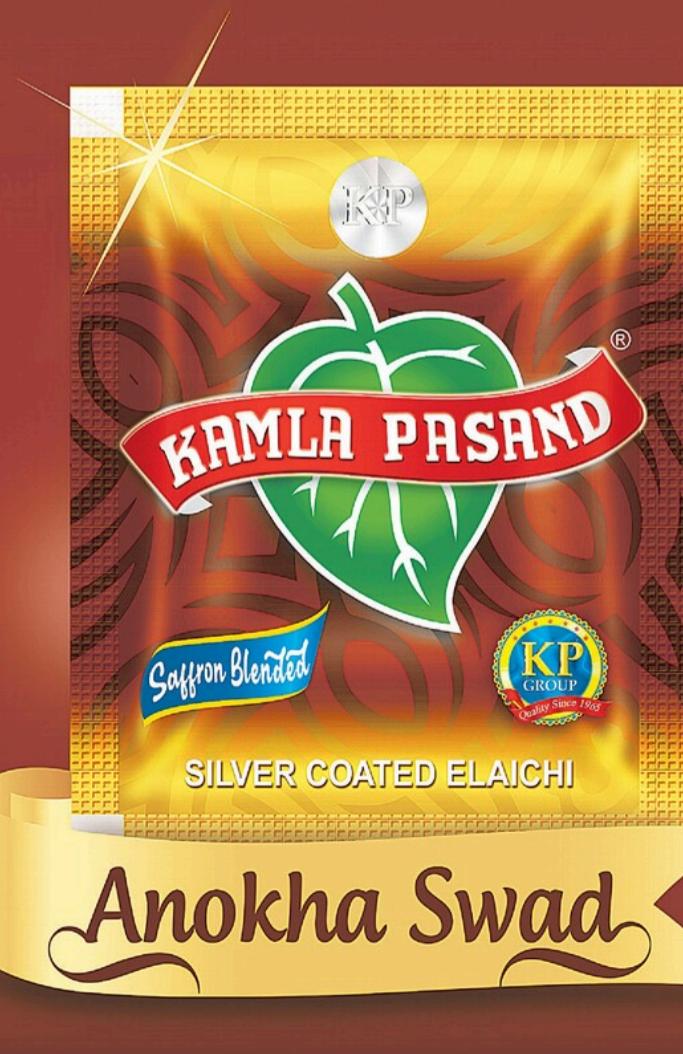
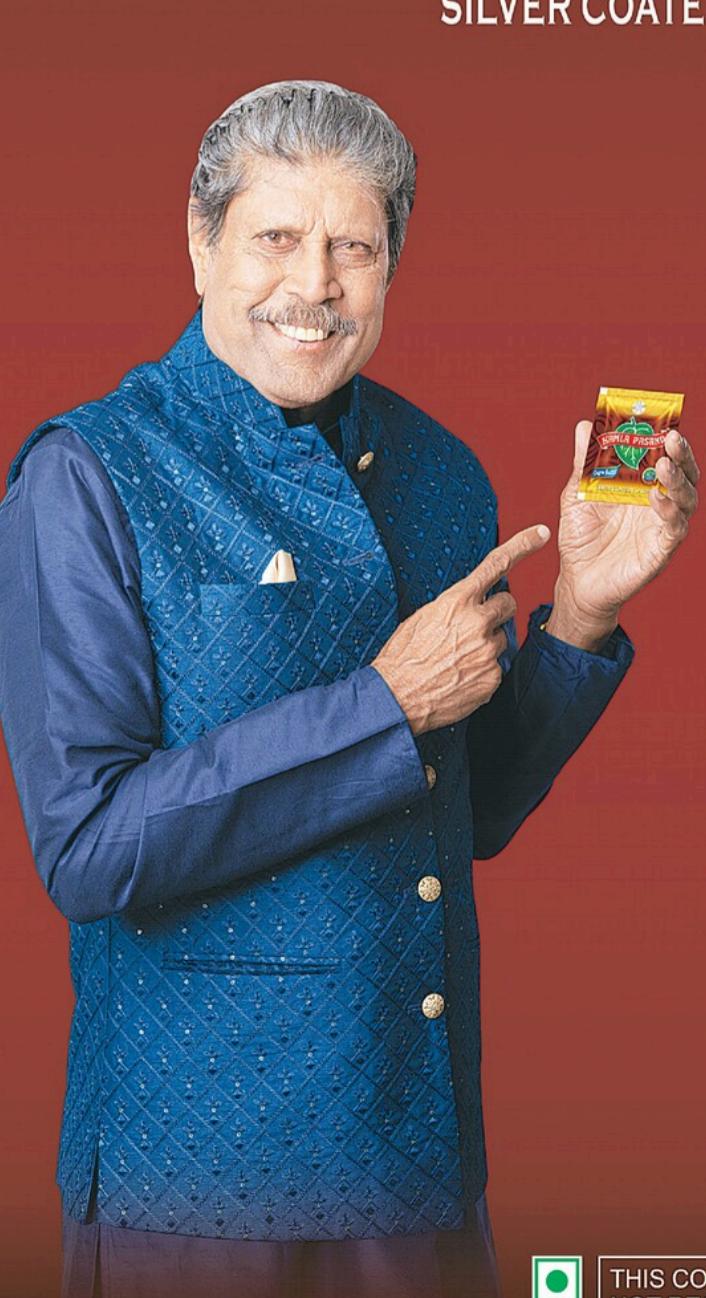
21 करोड़ की रिश्वत को चुनावी पार्टी (आप)

के रूप में आम आदमी पार्टी (आप) को भेजा गया।

► देखें P13

KAMLA PASAND

SILVER COATED ELAICHI















## प्रधानमंत्री का जवाब

मौजूदा लोकसभा का आखिरी सत्र जब अपने समापन के बिल्कुल करीब है, तब इस सदन में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव की चर्चा का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो कुछ कहा, उसके गहरे राजनीतिक निहितार्थ हैं। अपने वक्तव्य कौशल का इस्तेमाल करते हुए दूरअसल उन्होंने एक तरह से आगामी आम चुनाव की पूर्वपीठिका ही पेश की। जानिहै, उन्होंने इस अवसर पर जिस आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया, उसके पीछे प्रतिपक्ष को चिंता में डालने के साथ-साथ एनडीए को प्रोत्साहित करने की एक सुविचारित रणनीति थी। गौर कीजिए, जिस वक्त प्रधानमंत्री जवाब देने के लिए लोकसभा में खड़े हुए, उसके चंद घंटे पहले झारखंड में 'इंडिया' ब्लॉक ने न सिर्फ अपनी सरकार बचाने में सफलता हासिल की थी, बल्कि चंडीगढ़ के मेयर चुनाव के मसले पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी भी सत्तारूढ़ भाजपा के लिए कोई बहुत सुखकर नहीं थी। ऐसे में अपने कार्यकर्ताओं के मनोबल को थामे रखने और प्रतिपक्ष के उत्साह को ठंडा करने के लिए उन्होंने एनडीए इस बार 400 पार का सूत्र दे डाला। चूंकि, मौजूदा लोकसभा को जमू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 के खाल्ये का श्रेय जाता है, इसलिए 370 सीटों पर भाजपा की जीत का उनका दावा एक मनोवैज्ञानिक संदेश देने की कोशिश है।

यह स्वाभाविक था कि प्रधानमंत्री अपने जवाब में पिछले 10 वर्षों के दौरान हासिल अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाते, लेकिन जिस तरह से उन्होंने विपक्ष और खासकार कांग्रेस पर तंज तंज के तीर बरसाए, वे बेमक्सद नहीं थे। प्रधानमंत्री मोदी यह बखुबी जानते हैं कि अपने प्रतिपक्षी को कभी कमतर नहीं आंकना चाहिए, फिर अगले संसदीय समर में जिस पार्टी से उनका सबसे अधिक सीटों पर अमना-सामना होना है, उसकी कमियों, उसके अंतर्विरोधों को देश के समाने रखने का अवसर वह यूं ही कैसे जाने देते? तब तो और, जब सीधे मुकाबले वाले प्रदर्शों में भाजा लगभग शत-उपरी दल पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाए रखना चाहेगा। कांग्रेस पर प्रधानमंत्री के शान्तिक ग्रहार को इसी रूप में लेना चाहिए।

वैसे तो यह संसदीय पंरपरा ही है कि लोकसभा जब अपने अंतिम पंजाव पर पहुंचती है, और इसके सदस्य अपनी अगली पारी के लिए चुनावी मैदान की ओर कूच करते हैं, तब वे दलीय खेमेंबंदी से ऊपर उत्तरकर एक-दूसरे के सुखद भविष्य की कामना करते हैं। अभी ज्यादा वर्तन नहीं हुआ है, पिछली लोकसभा की एसी ही विवादित वेला में समाजावादी पार्टी के सर्वोच्च नेता मुलायम सिंह वादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिर से प्रधानमंत्री बनने की शुभमानानंद दी ही। मगर उन्होंने गेंगे से हमारी स्वरथ संसदीय पंरपराएं तेजी से रीती ही हैं। अब नेताओं में निजी कट्टु साफ-फ़ास के लिए चुनाव चाहते, जो सरतारंगी लोकसभा के दामन में हमेशा के लिए चर्चाएं हो गई हैं और इसके लिए संता पक्ष और विपक्ष, दोनों ही जिम्मेदार हैं। मगर भारत के संसदीय लोकतंत्र को सुखंड होना है, तो उसे सत्ता और विपक्ष के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना होगा। सतरहावी लोकसभा ने हमें इस बात का एहसास शिद्दत से कराया है। चुनाव आते-जाते होंगे, सरकारें भी आती-जाती होंगी, पर भारत का गौरव उसकी सरकारें की नहीं, उसके संसदीय जनतंत्र की परिपक्वता की कसौटी पर ही परखा जाएगा!

**हिन्दुस्तान | 75 साल पहले**

07 फरवरी, 1949

## नया हरितनापुर और नेहरू

नई दिल्ली, 6 फरवरी: भारत के भव्य अंतीत के साथ आज एक नया सम्पर्क स्थापित हुआ जबकि प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने दिल्ली से 65 मील की दूरी पर हस्तिनापुर के नये नगर की ओर शीर्ष स्थल पर डाली, जहां चान्दी चान्दी वार्डों की गजधानी आम से सगरी खड़ी थी। महाभारत के उन महापुरुषों की याद आज हमें केवल यहां के टीले और व्याख्यान दिलाते हैं। नेहरूनी की साथ भारत सरकार के कृषि मंत्री श्री जयराम दौलतराम, युवत प्रांत के प्रधानमंत्री पंडित गोविन्दलाल वर्पन (तब सूर्यों के मुख्यमंत्री की ओर प्रधानमंत्री कहा जाता था), कांग्रेस अध्यक्ष डा. पट्टालाभि सोनारपुरी, लोकसभा के अनेकोंक सदस्य विद्यमान थे।

हिन्दनापुर की पवित्रता की परिवर्तनी के लिए लक्ष्यान्तरी थी और बाद की शान्तिवारों में विस्तृत विद्यमान वार्डों की परिवर्तनी के लिए लक्ष्यान्तरी थी। अभी एक वर्ष पूर्व तक वह स्थान चर्चित वार्ड का चर्चित वार्ड बना रहा था। किंतु युवत प्रांत के पंत प्रमाणी दले ने इस बेटे का पूर्ण पर्याप्तरांग कर दिया है। ...युवत प्रांत की सरकार ने खाद्य भूमि के पुरुद्धारा की योजना दिसंबर १९४७ में अरप्त की थी। उसे आशा है कि इस वर्ष जुन तक २२,००० एकड़ भूमि जोत में आ जायेगी। जैसा कि पंडित गोविन्दलाल भू पंत ने अपने भाषण में बताया, दस हजार एकड़ भूमि में फसलें उआई और काटी जा चुकी हैं।

शिलान्यास करते समय नेहरूनी ने एक छोटा-सा भाषण दिया, जिसमें उन्होंने एक जनता को यह समाज का प्रयत्न किया कि उत्तराद वाढ़ाना प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य है। उन्होंने यह भी बताया कि विद्यमान हरितनापुर के शिलान्यास से भारत के भव्य अंतीत के साथ एक नया सम्पर्क स्थापित किया जा रहा है, तथांशु नया नगर आजुनिक ढंग पर बनाया जायेगा। नेहरूनी ने भाषण समाप्त करने के बाद शारीरी झण्डा फहराया और हरितनापुर के नये नगर की नींव डाली। उस समय बन्द मार्ग की धुन गान में गूंज उठी।

अब एक राष्ट्र एक विद्यमान कामों से उत्तराद वाढ़ाना की ओर चल रहा है, जो समाजिक मार्गों से अंत की याद रखता है। जैसे ही बुधवार के लिए विवादों के अंत तक वहां एक विद्यमान कामों से उत्तराद वाढ़ाना की ओर चल रहा है, जो समाजिक सहित के लिए लागू होता है। अब एक विद्यमान कामों से उत्तराद वाढ़ाना की ओर चल रहा है, जो समाजिक सहित के लिए लागू होता है।

अब एक विद्यमान कामों से उत्तराद वाढ़ाना की ओर चल रहा है, जो समाजिक सहित के लिए लागू होता है। अब एक विद्यमान कामों से उत्तराद वाढ़ाना की ओर चल रहा है, जो समाजिक सहित के लिए लागू होता है।

अब एक विद्यमान कामों से उत्तराद वाढ़ाना की ओर चल रहा है, जो समाजिक सहित के लिए लागू होता है। अब एक विद्यमान कामों से उत्तराद वाढ़ाना की ओर चल रहा है, जो समाजिक सहित के लिए लागू होता है।

अब एक विद्यमान कामों से उत्तराद वाढ़ाना की ओर चल रहा है, जो समाजिक सहित के लिए लागू होता है। अब एक विद्यमान कामों से उत्तराद वाढ़ाना की ओर चल रहा है, जो समाजिक सहित के लिए लागू होता है।

अब एक विद्यमान कामों से उत्तराद वाढ़ाना की ओर चल रहा है, जो समाजिक सहित के लिए लागू होता है। अब एक विद्यमान कामों से उत्तराद वाढ़ाना की ओर चल रहा है, जो समाजिक सहित के लिए लागू होता है।

अब एक विद्यमान कामों से उत्तराद वाढ़ाना की ओर चल रहा है, जो समाजिक सहित के लिए लागू होता है। अब एक विद्यमान कामों से उत्तराद वाढ़ाना की ओर चल रहा है, जो समाजिक सहित के लिए लागू होता है।

अब एक विद्यमान कामों से उत्तराद वाढ़ाना की ओर चल रहा है, जो समाजिक सहित के लिए लागू होता है। अब एक विद्यमान कामों से उत्तराद वाढ़ाना की ओर चल रहा है, जो समाजिक सहित के लिए लागू होता है।

अब एक विद्यमान कामों से उत्तराद वाढ़ाना की ओर चल रहा है, जो समाजिक सहित के लिए लागू होता है। अब एक विद्यमान कामों से उत्तराद वाढ़ाना की ओर चल रहा है, जो समाजिक सहित के लिए लागू होता है।

अब एक विद्यमान कामों से उत्तराद वाढ़ाना की ओर चल रहा है, जो समाजिक सहित के लिए लागू होता है। अब एक विद्यमान कामों से उत्तराद वाढ़ाना की ओर चल रहा है, जो समाजिक सहित के लिए लागू होता है।

अब एक विद्यमान कामों से उत्तराद वाढ़ाना की ओर चल रहा है, जो समाजिक सहित के लिए लागू होता है। अब एक विद्यमान कामों से उत्तराद वाढ़ाना की ओर चल रहा है, जो समाजिक सहित के लिए लागू होता है।

अब एक विद्यमान कामों से उत्तराद वाढ़ाना की ओर चल रहा है, जो समाजिक सहित के लिए लागू होता है। अब एक विद्यमान कामों से उत्तराद वाढ़ाना की ओर चल रहा है, जो समाजिक सहित के लिए लागू होता है।

अब एक विद्यमान कामों से उत्तराद वाढ़ाना की ओर चल रहा है, जो समाजिक सहित के लिए लागू होता है। अब एक विद्यमान कामों से उत्तराद वाढ़ाना की ओर चल रहा है, जो समाजिक सहित के लिए लागू होता है।

अब एक विद्यमान कामों से उत्तराद वाढ़ाना की ओर चल रहा है, जो समाजिक सहित के लिए लागू होता है। अब एक विद्यमान कामों से उत्तराद वाढ़ाना की ओर चल रहा है, जो समाजिक सहित के लिए लागू होता है।

अब एक विद्यमान कामों से उत्तराद वाढ़ाना की ओर चल रहा है, जो समाजिक सहित के लिए लागू होता है। अब एक विद्यमान कामों से उत्तराद वाढ़ाना की ओर चल रहा है, जो समाजिक सहित के लिए लागू होता है।

अब एक विद्यमान कामों से उत्तराद वाढ़ाना की ओर चल रहा है, जो समाजिक सहित के लिए लागू होता है। अब एक विद्यमान कामों से उत्तराद वाढ़ाना की ओर चल रहा है, जो समाजिक सहित के लिए लागू होता है।

अब











